नाभि वाला लड़का

पीटर मैलोनी और फेलिसिया ज़ेकौस्कास

हिंदी: शर्ली जेकब

नाभि वाला लड़का

नाभि वाला लड़का

पीटर मैलोनी और फेलिसिया ज़ेकौस्कास

हिंदी: शर्ली जेकब

हमारे अपने नाभि वाले लड़के को समर्पित,

जन्म 28 जुलाई, 1999

बिली को खुदाई करना बहुत पसंद था - जितना गहरा उतना बेहतर और कभी-कभी मिट्टी उसके स्वेटर के नीचे चली जाती थी।

समुद्र तट पर, बिली ने खुद को रेत में दबा लिया,

इसमें उसकी बहन ने भी हाथ बंटाया।

जब लोग बिली से कहते, "तुम मिट्टी से लथपथ हो!"

बिली बस जवाब देता, "अरे, मिट्टी से नुकसान तो नहीं होता!"

फिर, जल्द ही बिली की नाभि एक कप की तरह भर गई उन सब चीज़ों से जो लड़के खोदकर निकालते हैं।

और उस मिट्टी के नीचे, उस कीचड़, मैल और गंदगी में - एक नन्हा सा बीज अंकुरित होने लगा।

वह रात भर बढ़ता रहा और फिर सुबह,

उसने बिना किसी चेतावनी के बिली को जगा दिया।

उसके पेट में एक छोटी सी झाड़ी खड़ी थी,

और बिली बस हांफते हुए बोला, "यह तो ठीक नहीं है!"

बहन को बताना वो सोच भी न सका -

वो चिढ़ाएगी और घूरेगी – यही डर था उसे।

और उसके दोस्तों की बात करें तो वे उसका मज़ाक उड़ाएंगे और ताने मारेंगे - वे जो कहेंगे वह सुनना भी नहीं चाहता था।

इसलिए, हालांकि गर्मी थी, बिली ने लंबी बाजू के कपड़े पहने,

उसे ऐसे कपड़े पहनने पड़े जो उसकी सारी पत्तियां छिपा सकें।

उसने स्कूल बस पकड़ी और अकेला रहा,

फिर पुस्तकालय में एक किताब की अलमारी

के पीछे छिप गया।

उसने एक किताब के पन्ने पलटे जिसमें चीज़ें कैसे बढ़ती हैं - लिखा था। लेकिन किताब ने उसे वह नहीं बताया जो उसे जानना था।

जैसे कि आखिर यह उसके साथ कैसे हुआ - एक सुबह उठा और एक नया अंग निकल आया?

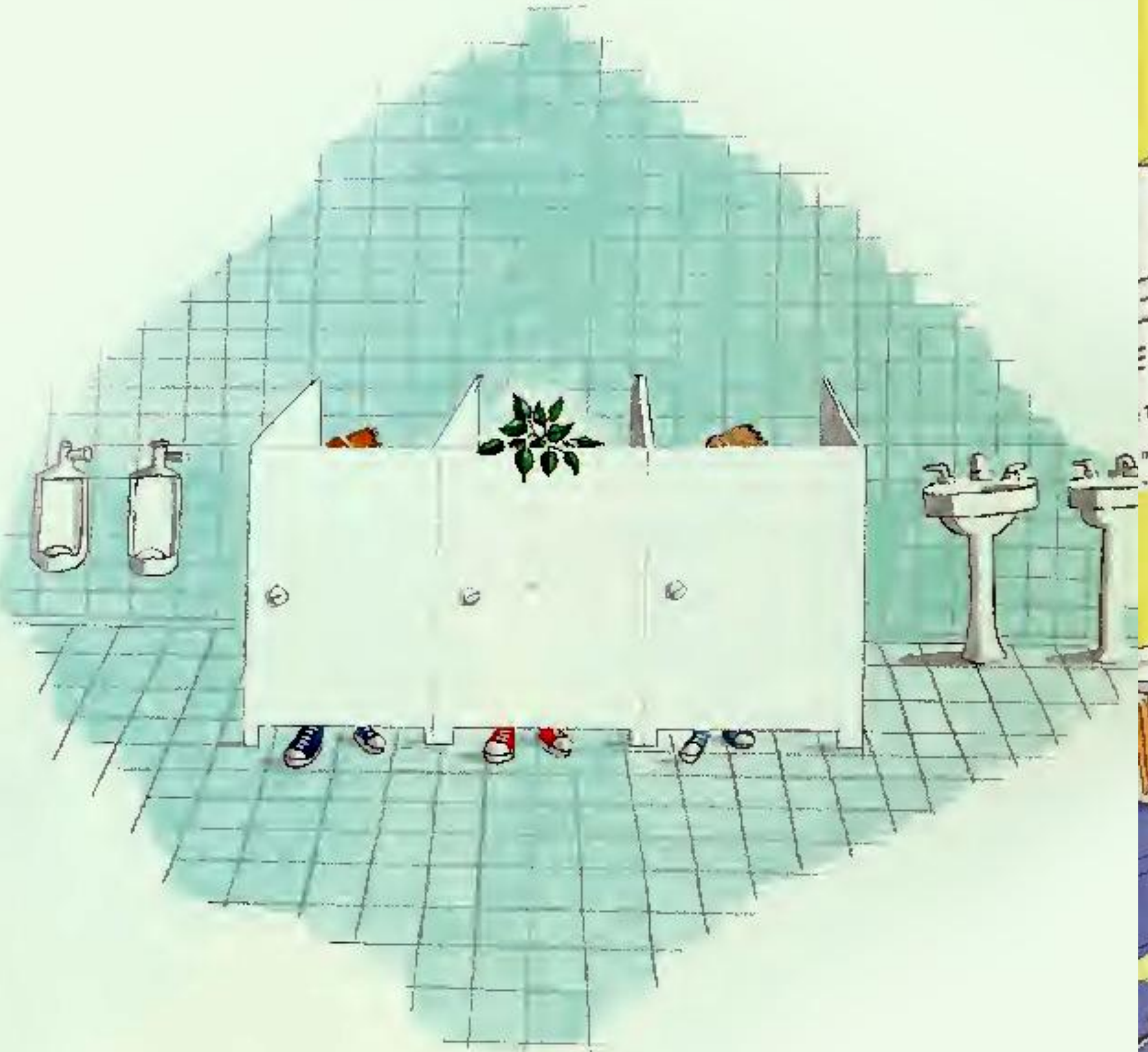

वो लड़कों के कमरे में गया और दरवाज़ा बंद किया,

उसने देखा कि पौधा कई फीट ऊँचा हो गया।

वो जिम से भागा, सीधा नर्स के पास गया,

उसे घर जाना था – वरना हाल और बिगड़ता।

नर्स ने उसे घर भेज दिया जहां उसने
अपने कमरे में जाकर आईने में देखा और
चिल्लाया, "मैं खिल रहा हूं!"

उसे पता था समय आ गया खुलासे का
वो सच्चाई जिसे छिपाने की उसने बहुत कोशिश की थी।

उसकी बहन चिल्लाई, “यही तो मुझे चाहिए!”
मैं क्या कहूँ, “मेरा भाई तो एक खरपतवार [जंगली पौधा] है?”
उसके पिता का चेहरा सफ़ेद पड़ गया, बिल्कुल फीका।

पिता बोले बेटे से, “तुम तो सलाद जैसे लगते हो!”
हालाँकि समस्या ने उसकी माँ को सचमुच चौंका दिया,
बोलीं बस, “चलो डॉक्टर के पास चलते हैं!”

डॉक्टर डड्ली ने उसका बुखार और फ्लू में इलाज किया था लेकिन बिली की नई समस्या चिकित्सा जगत में एक नयी खबर थी।

तुम्हारा मामला इस चिकित्सक की समझ से परे है मुझे लगता है कि एक माली को तुम्हारी स्थिति का इलाज करना चाहिए”

“चलो सब चलते हैं और सुनते हैं कि मेरा माली क्या कहेगा - वह अपने क्षेत्र में हर रोज़ ऐसी चीज़ें देखता है।”

माली दयालु था—उसकी आंखों से ज्ञान झलकता था उसने बिली को ध्यान से देखा और कोई आश्चर्य नहीं दिखाया।

"जो तेरे पास है यह हरी पत्तेदार और फलदार।
इसे हटाने का सबसे अच्छा तरीका है कि इसे
तुरंत जड़ से उखाड़ दिया जाए।"

उसने ज़ोर से खींचा, फिर बोला "मैंने पा
लिया इसे!" और अब जब पा लिया है, तो
सोचता हूँ कि मैं इसे गमले में लगा दूँ।

उसने बिली की ओर देखा और कहा, "माफी चाहता हूं, एक लड़के की नाभि को बगीचा नहीं होना चाहिए।

“तुम्हें हरी-भरी चीज़ें उगाने का बड़ा वरदान मिला है, बेटे, पर नाभि वो जगह है जिसे हमेशा साफ़ रखना चाहिए।

बिली अब सिर से पाँव तक खुद को धोता है,
ख़ासकर उन जगहों पर जहाँ गंदगी जाना पसंद करती है।

“वह नहीं चाहता कि यह फिर से हो,
हालाँकि माली ने उसे बताया था:

‘मिट्‌टी हमारी दोस्त है!’

नाभि वाला लड़का एक मजेदार बच्चों की कहानी है जो बिली नाम के एक लड़के के बारे में है, जिसे गंदगी में खेलना बहुत पसंद है। एक दिन उसकी नाभि में इतनी गंदगी जमा हो जाती है कि उसमें से एक पौधा उग आता है! बिली इसे छिपाने की कोशिश करता है, लेकिन पौधा बढ़ता ही जाता है। आखिरकार एक माली की मदद से पौधा निकाला जाता है और बिली को सबक मिलता है कि नाभि साफ रखनी चाहिए।